फुटबॉल किंग - पेले
मोनिका ब्राउन
चित्र: रूडी

क्या आप जानते हैं कि ब्राजील का एक गरीब लड़का, जो किसी भी चीज़ से ज़्यादा फ़ुटबॉल से प्यार करता था, दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा फ़ुटबॉल स्टार कैसे बना? फुटबॉल किंग - पेले की सच्ची जीवन कहानी को इस पुस्तक में पढ़ें. खेल के इतिहास में एक हजार गोल करने वाले और एक जीवित किंवदंती बनने वाले पहले वो पहले खिलाड़ी थे.

फुटबॉल किंग - पेले

मोनिका ब्राउन

चित्र: रूडी

फुटबॉल किंग - पेले

मोनिका ब्राउन

चित्र: रूडी
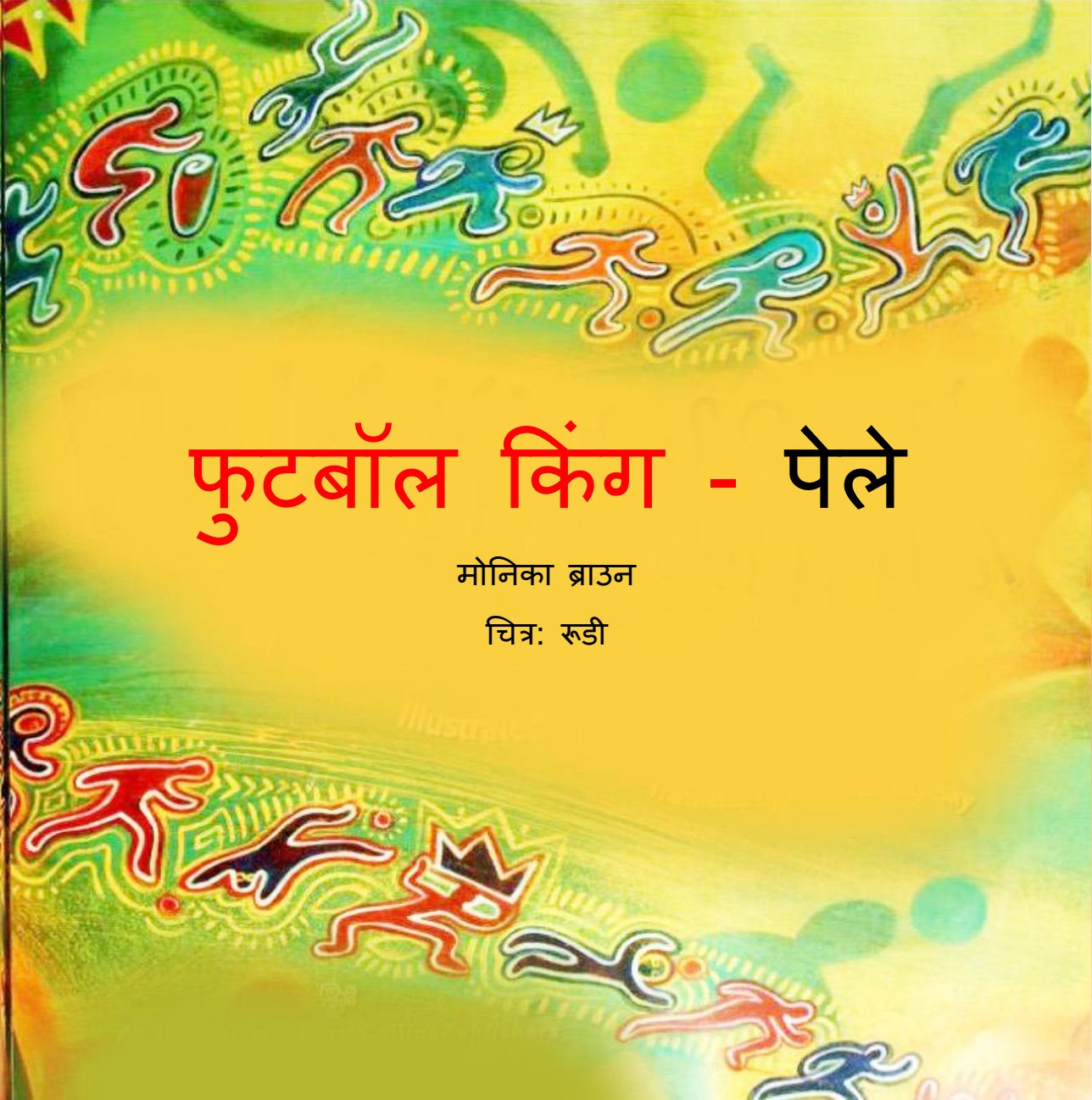
For information address HarperCollins Children's Books, a division of HarperCollins Publishers, 1350 Avenue of the Americas, New York, NY 10019. www.harpercollinschildrens.com
Library of Congress Cataloging-in-Publication Data is available. ISBN 978-0-06-122779-0 (trade bdg.)
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 ✦ First Edition
Designed by Stephanie Bart-Horvath
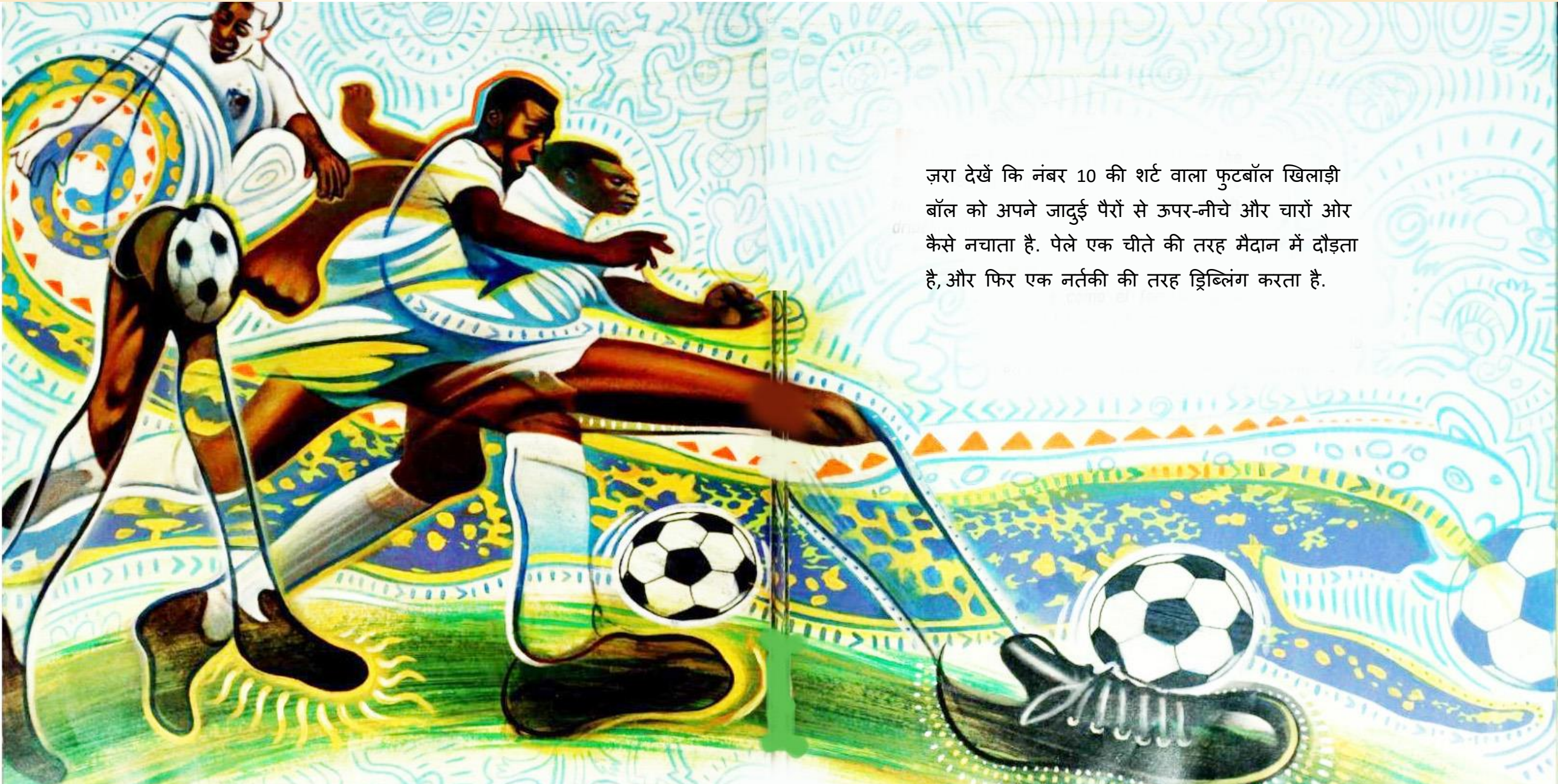
ज़रा देखें कि नंबर 10 की शर्ट वाला फुटबॉल खिलाड़ी बॉल को अपने जादुई पैरों से ऊपर-नीचे और चारों ओर कैसे नचाता है. पेले एक चीते की तरह मैदान में दौड़ता है, और फिर एक नर्तकी की तरह ड्रिब्लिंग करता है.

क्या पेले एक गेम में तीन गोल कर पाएगा? क्या वो एक हैट्रिक कर पाएगा? वो अपनी जाँघों और टखनों से गेंद को रोकता है और इससे पहले कि गेंद जमीन को छुए वो उसे ज़ोर की किक मारता है.

पेले और उनकी टीम ने एक बार फिर जीत हासिल की है.

भीड़ गाती, चिल्लाती है. "पेले! पेले! किंग!"
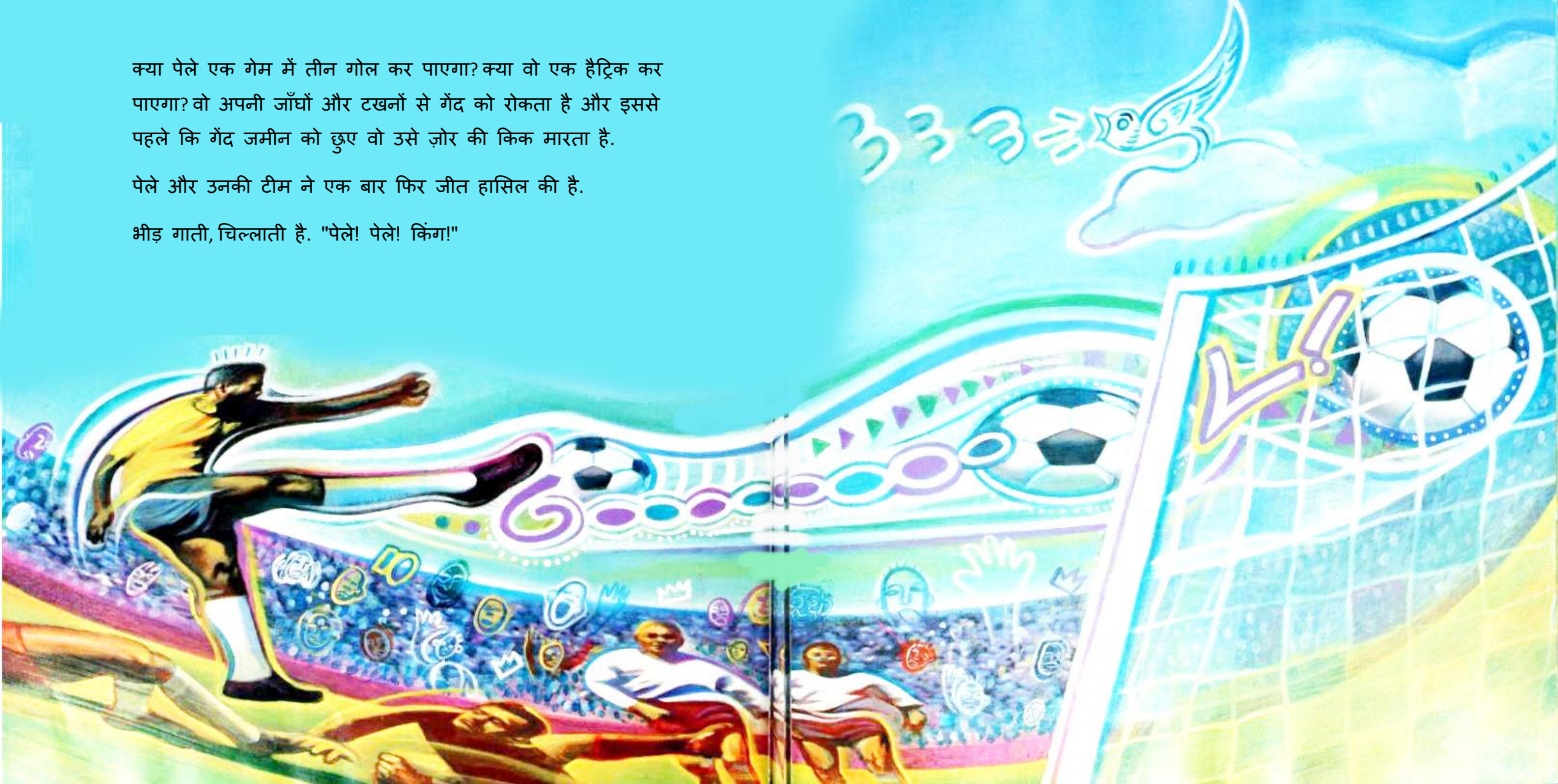
लेकिन पेले हमेशा इतना प्रसिद्ध नहीं था. वो ब्राजील के ट्रेस कोराकोस शहर का एक साधारण लड़का था. ब्राजील, दक्षिण अमेरिका में सबसे बड़ा देश था.
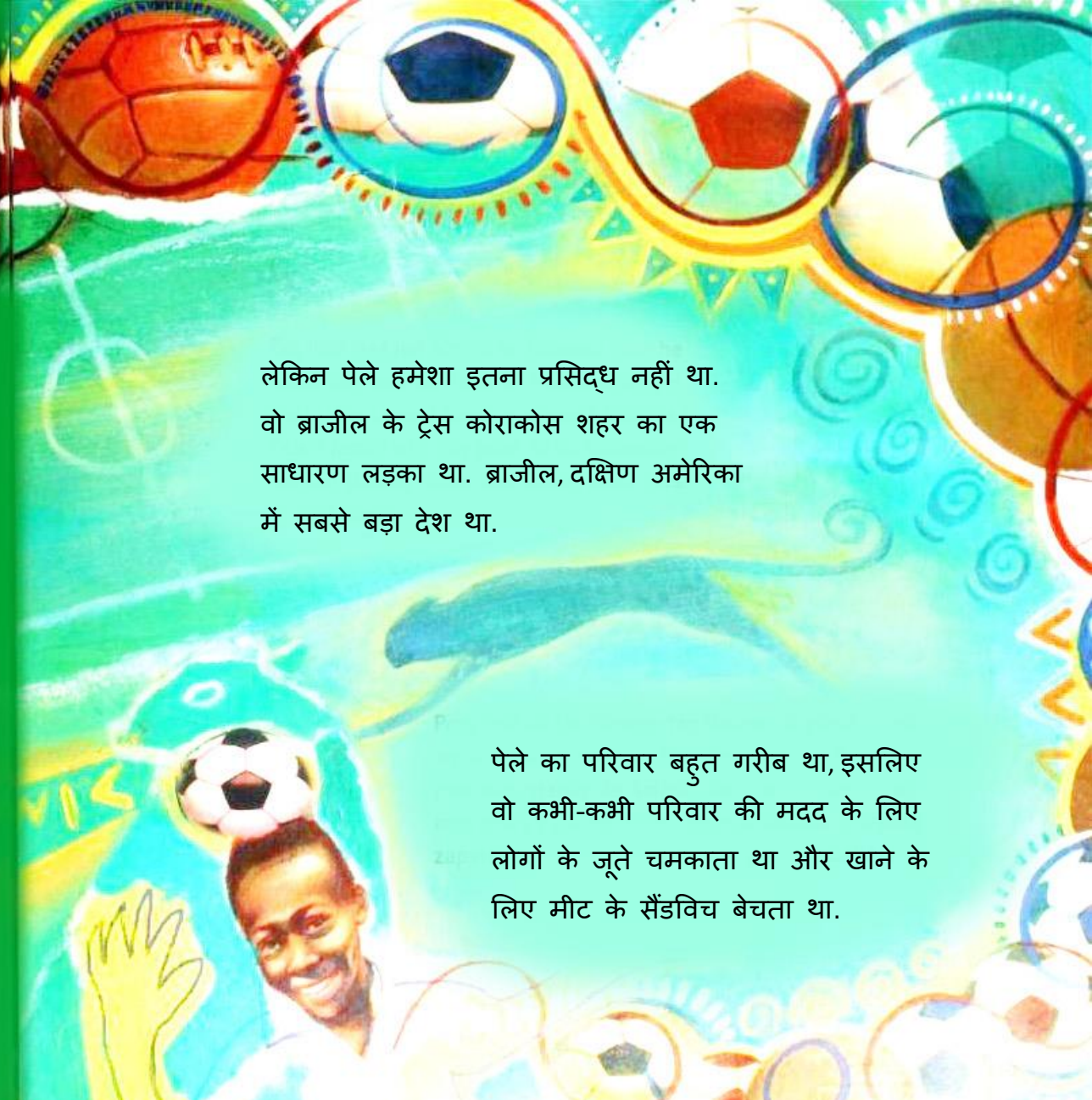
पेले का परिवार बहुत गरीब था, इसलिए वो कभी-कभी परिवार की मदद के लिए लोगों के जूते चमकाता था और खाने के लिए मीट के सैंडविच बेचता था.
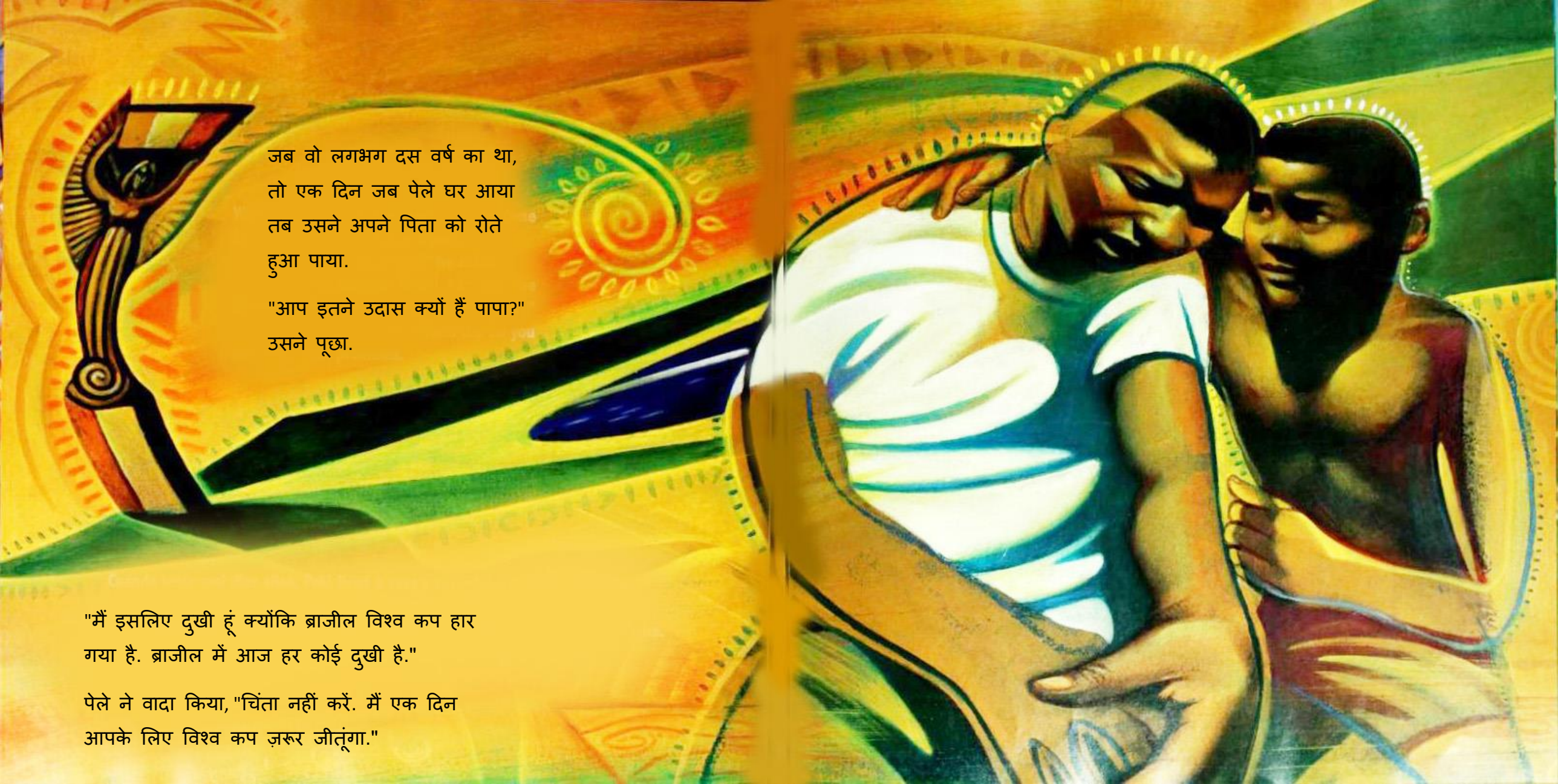
हर शाम, चाहे वे कितने ही थके हुए क्यों न हों, पेले और उसके पिता डौंडिन्हो, अपने शहर की गलियों में फुटबॉल खेलते थे.
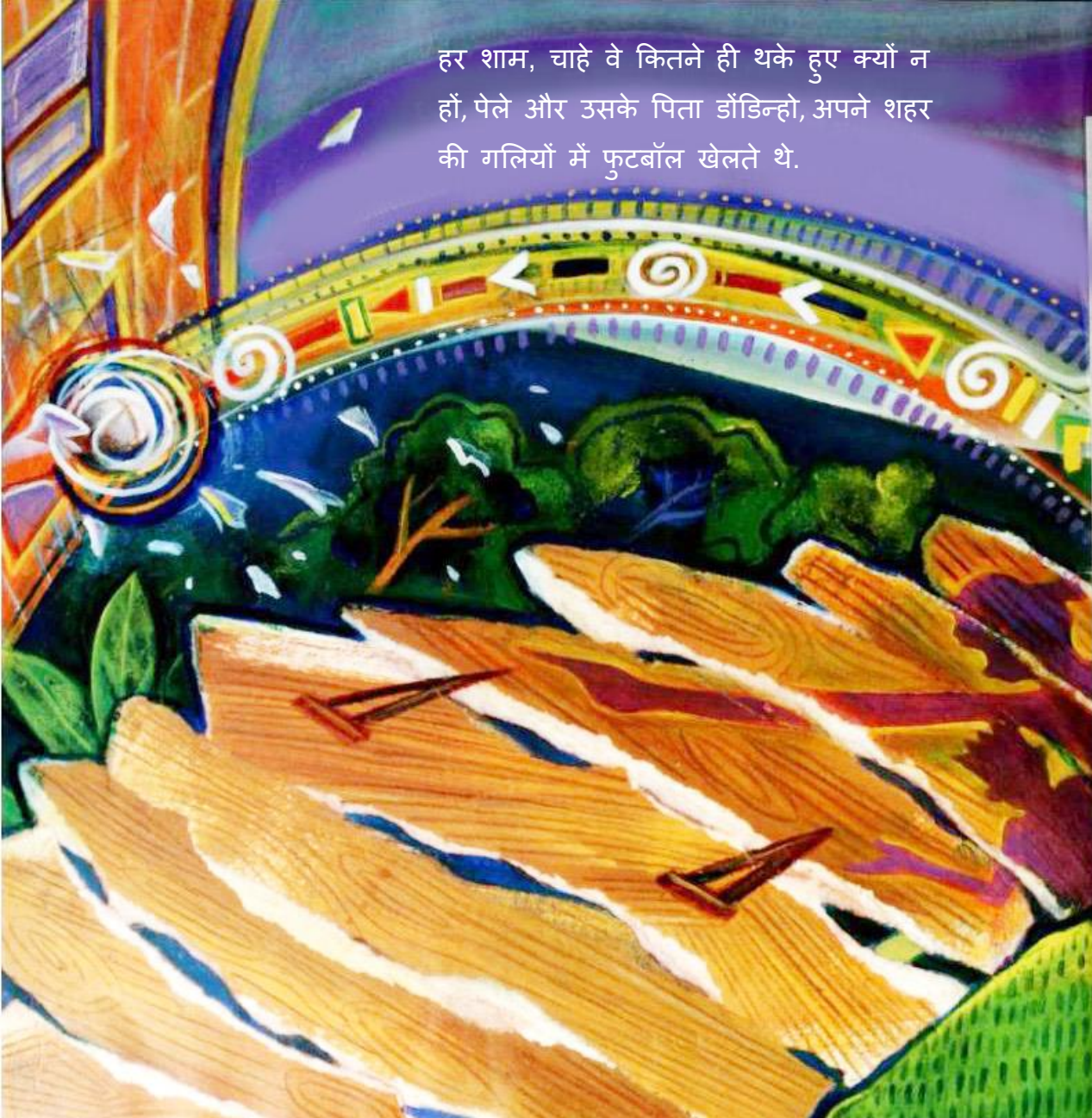
ओह! कभी-कभी पेले गलती से किसी की खिड़की तोड़ देता या फिर फुटबॉल किसी की बाड़ पर ज़ोर से जाकर लगती थी.
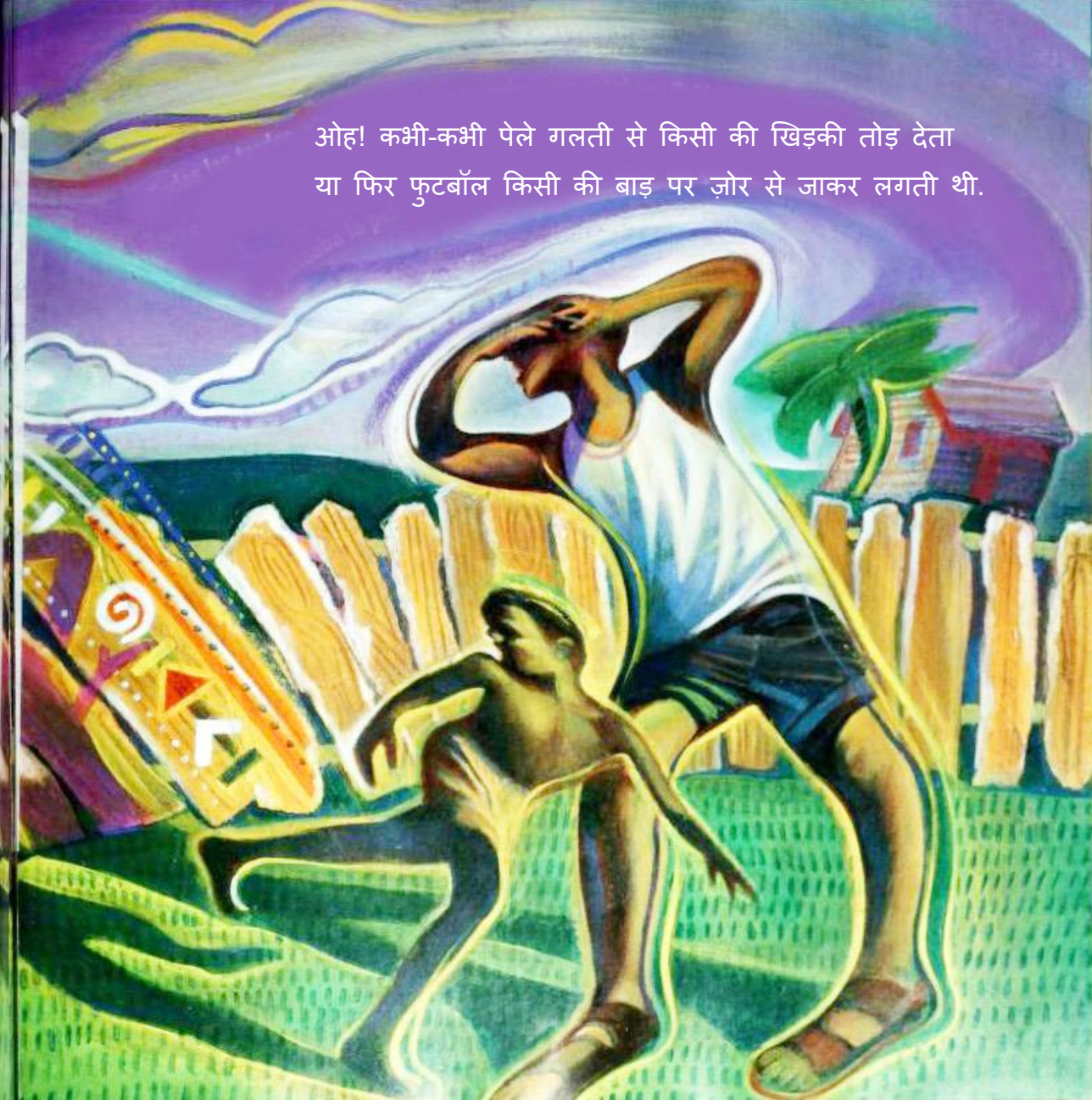
जब वो लगभग दस वर्ष का था, तो एक दिन जब पेले घर आया तब उसने अपने पिता को रोते हुआ पाया.

"आप इतने उदास क्यों हैं पापा?" उसने पूछा.

"मैं इसलिए दुखी हूं क्योंकि ब्राजील विश्व कप हार गया है. ब्राजील में आज हर कोई दुखी है."

पेले ने वादा किया, "चिंता नहीं करें. मैं एक दिन आपके लिए विश्व कप ज़रूर जीतूंगा."

पेले को अपने दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलना पसंद था. पर उसके पास फुटबॉल के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे, इसलिए फुटबॉल की बजाए वो ग्रेप-फ्रूट नाम के एक फल से फुटबॉल खेलते थे. अगर उन्हें ग्रेप-फ्रूट नहीं मिलता, तो वे पुरानी जुर्राबों में अखबार भरकर उनसे फुटबॉल खेलते थे!
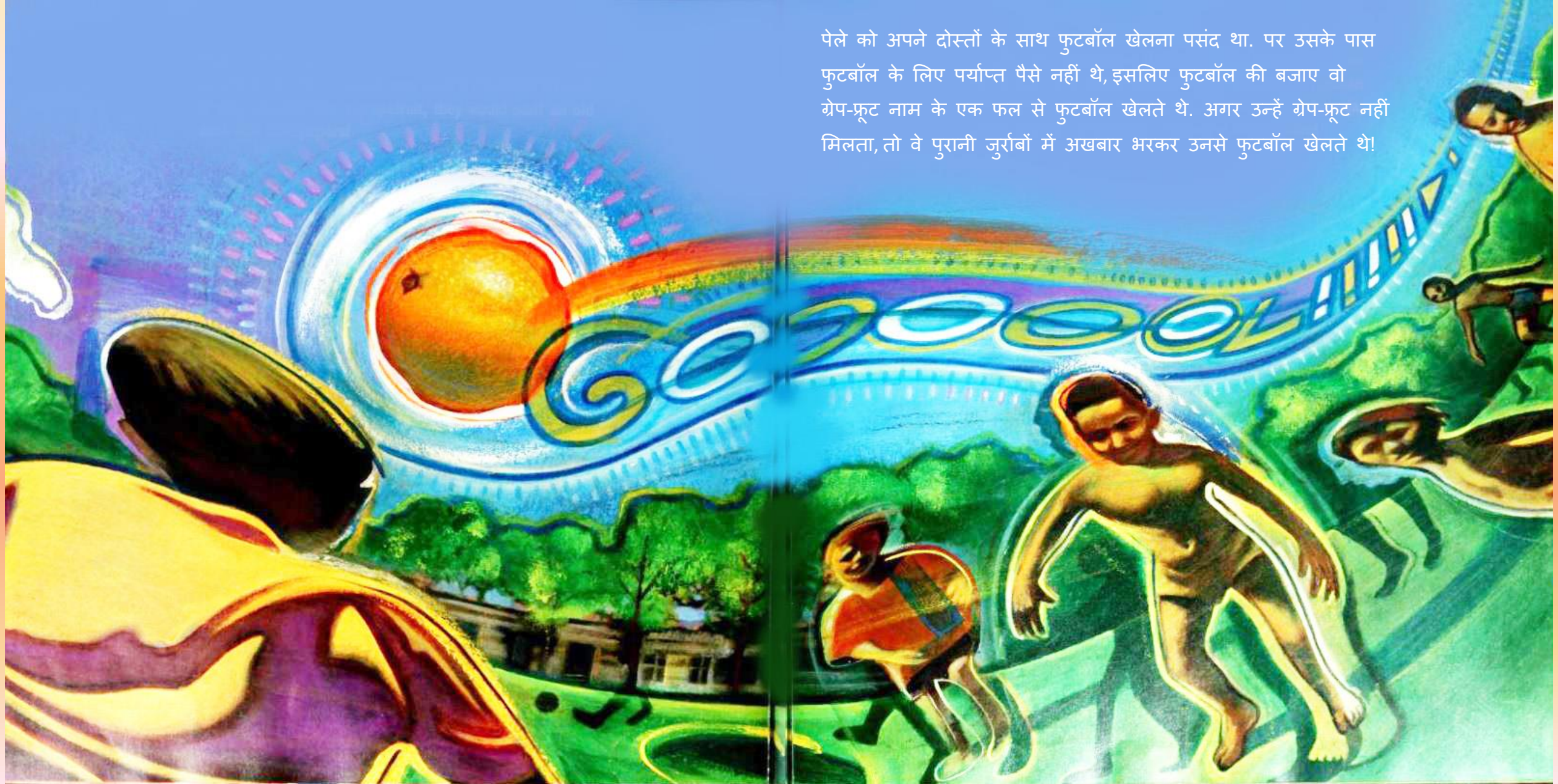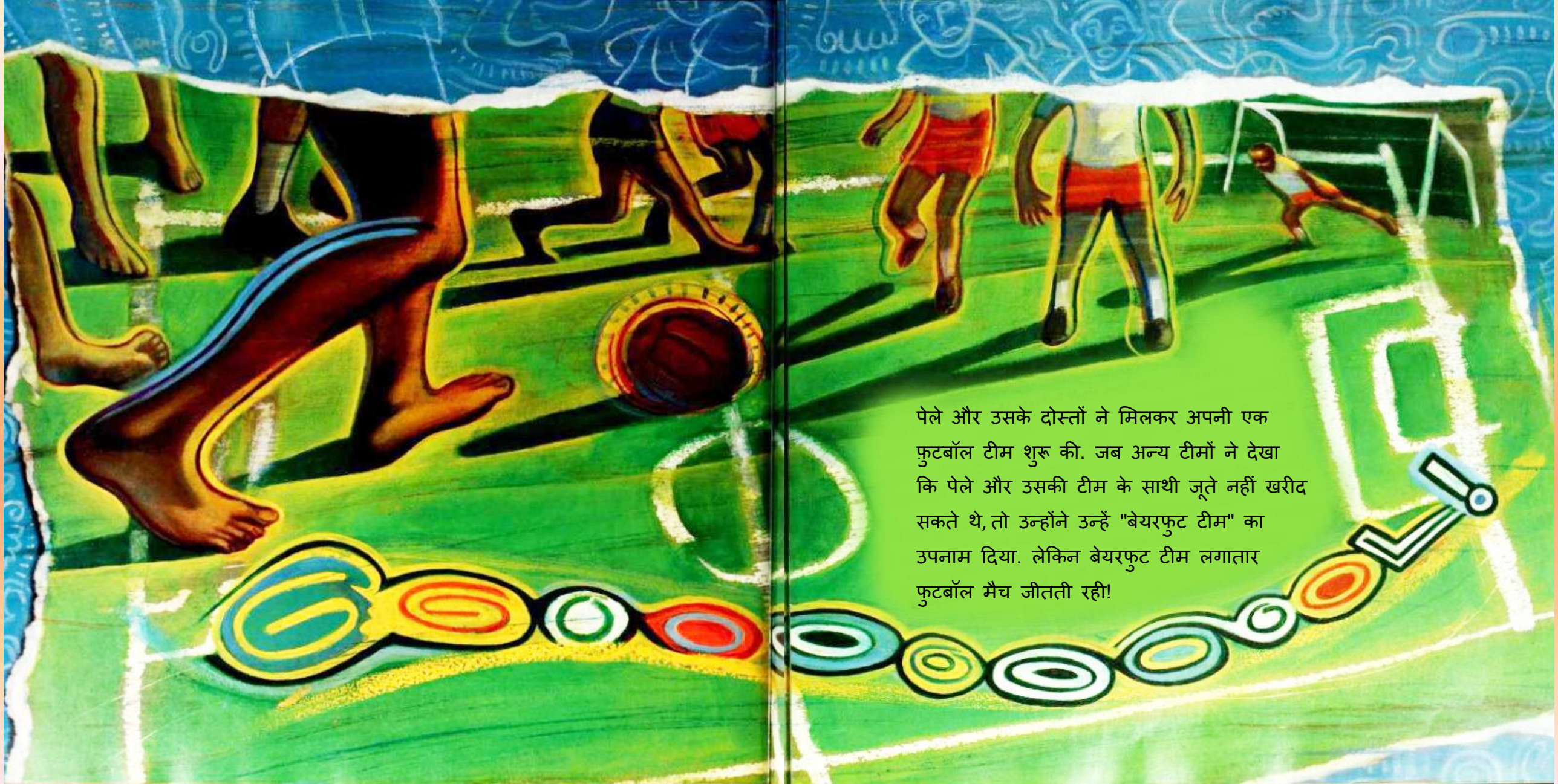
पेले और उसके दोस्तों ने मिलकर अपनी एक फ़ुटबॉल टीम शुरू की. जब अन्य टीमों ने देखा कि पेले और उसकी टीम के साथी जूते नहीं खरीद सकते थे, तो उन्होंने उन्हें "बेयरफुट टीम" का उपनाम दिया. लेकिन बेयरफुट टीम लगातार फुटबॉल मैच जीतती रही!
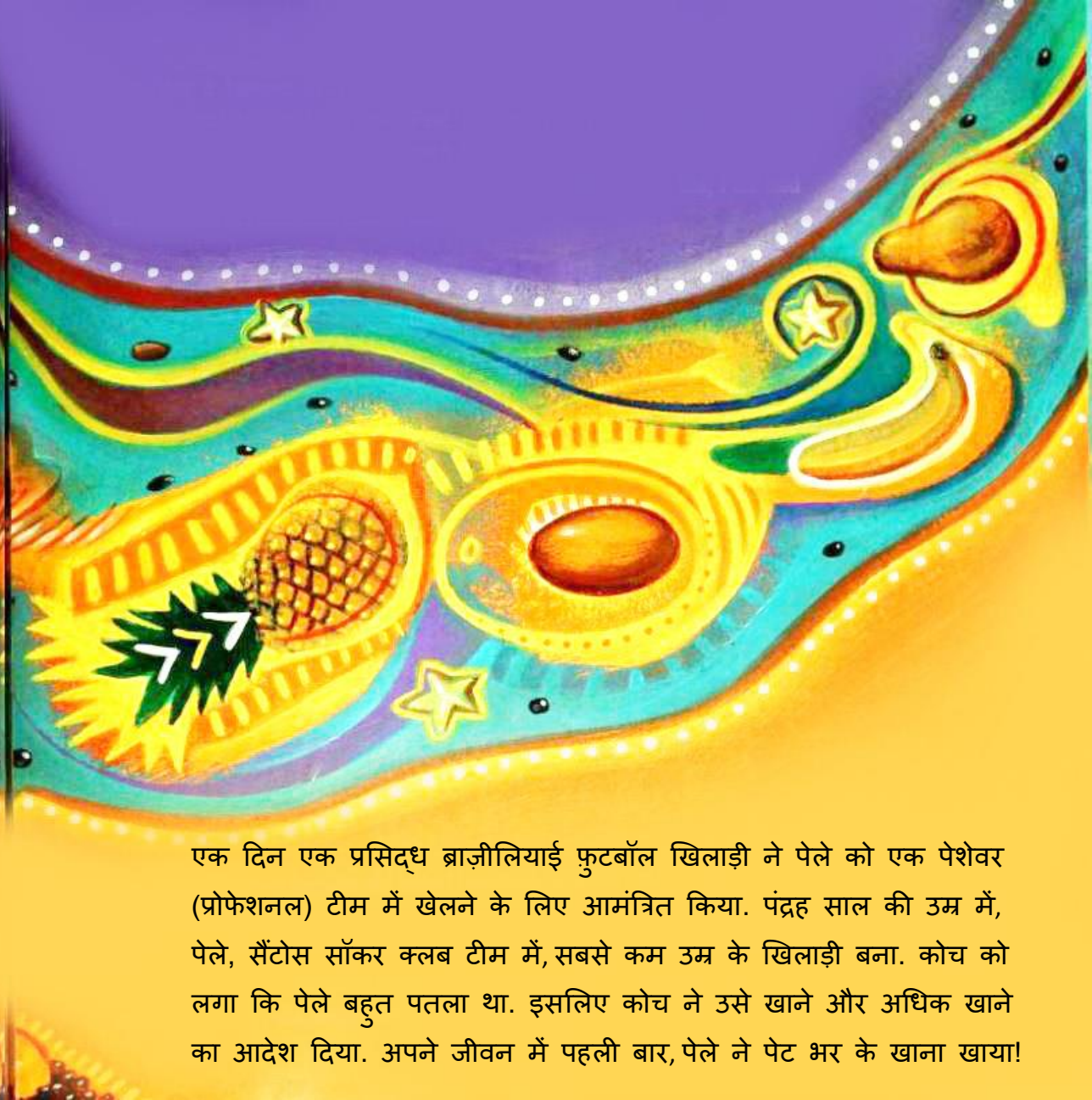
एक दिन एक प्रसिद्ध ब्राज़ीलियाई फ़ुटबॉल खिलाड़ी ने पेले को एक पेशेवर (प्रोफेशनल) टीम में खेलने के लिए आमंत्रित किया. पंद्रह साल की उम्र में, पेले, सैंटोस सॉकर क्लब टीम में, सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बना. कोच को लगा कि पेले बहुत पतला था. इसलिए कोच ने उसे खाने और अधिक खाने का आदेश दिया. अपने जीवन में पहली बार, पेले ने पेट भर के खाना खाया!

अंत में, पेले के लिए अपने पहले पेशेवर मैच में फुटबॉल खेलने का समय आ गया था.

पेले दूसरी टीम को बरगलाने के लिए अपनी प्रसिद्ध साइकिल किक का उपयोग करता था. वो अपने घुटने मोड़ता था और पैरों को पीछे की ओर घुमाता था और फिर उसके पैर गेंद को किक करते थे.

जब वो सत्रह वर्ष का था, तब पेले ने ब्राजील के लिए अपना पहला विश्व कप फाइनल खेला. खेल वाले दिन पेले को पिता से किया अपना वादा याद आया.

पेले ने देखा है कि उसके साथी वावा के पास और कोई नहीं था. फिर पेले ने गेंद किक करके उसे एक उत्तम पास दिया ....
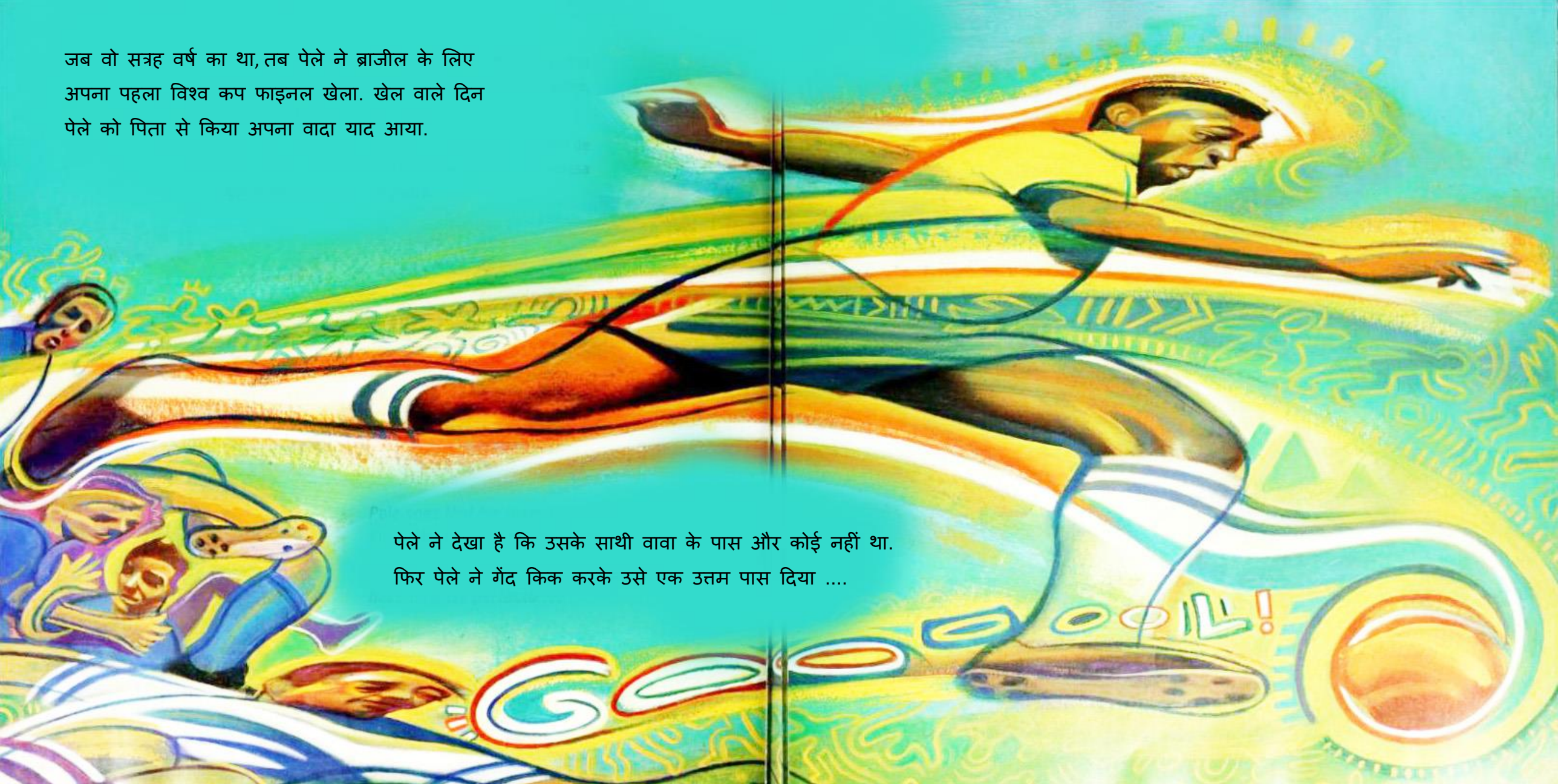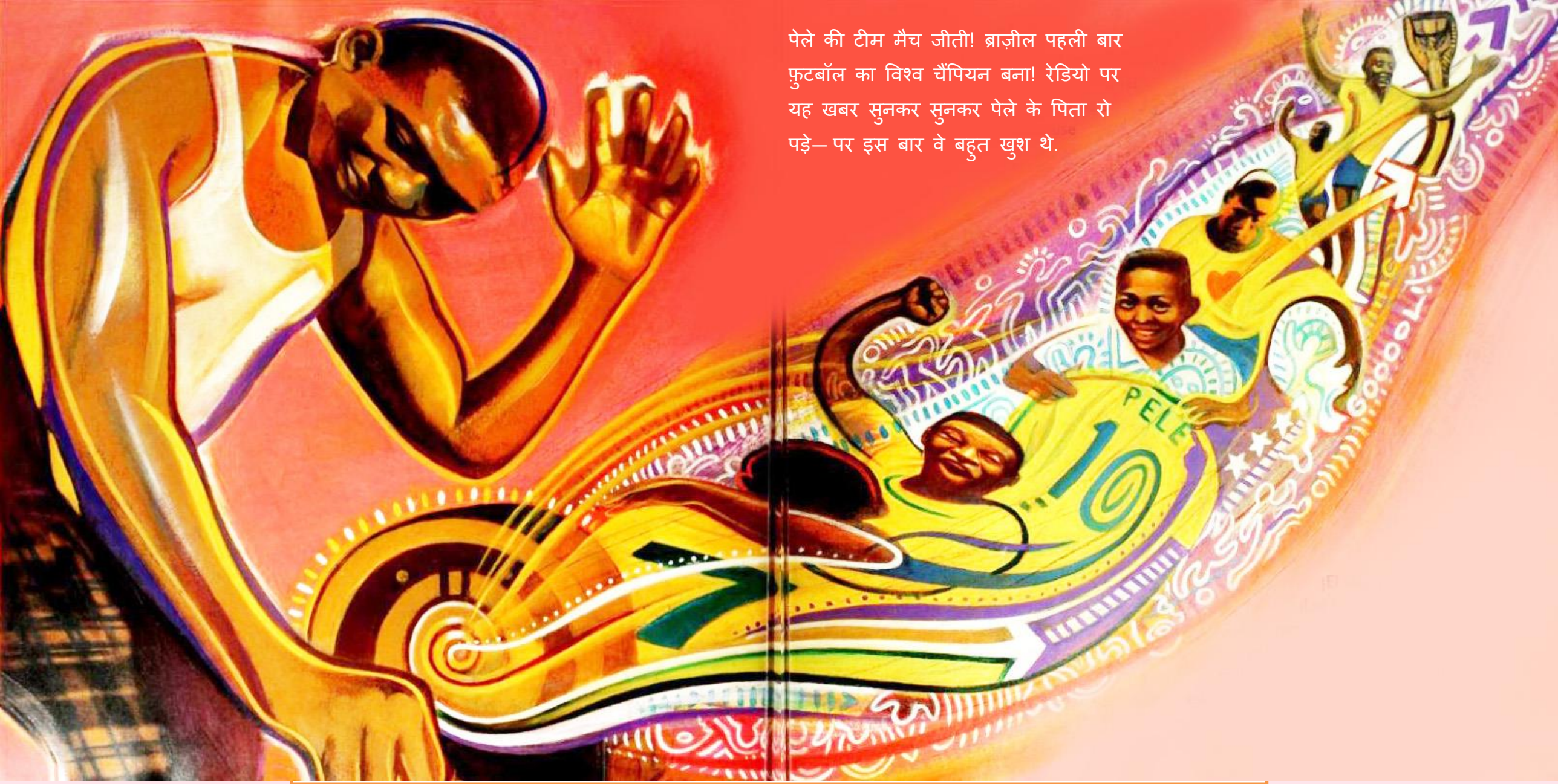
पेले की टीम मैच जीती! ब्राज़ील पहली बार फ़ुटबॉल का विश्व चैंपियन बना! रेडियो पर यह खबर सुनकर सुनकर पेले के पिता रो पड़े— पर इस बार वे बहुत खुश थे.
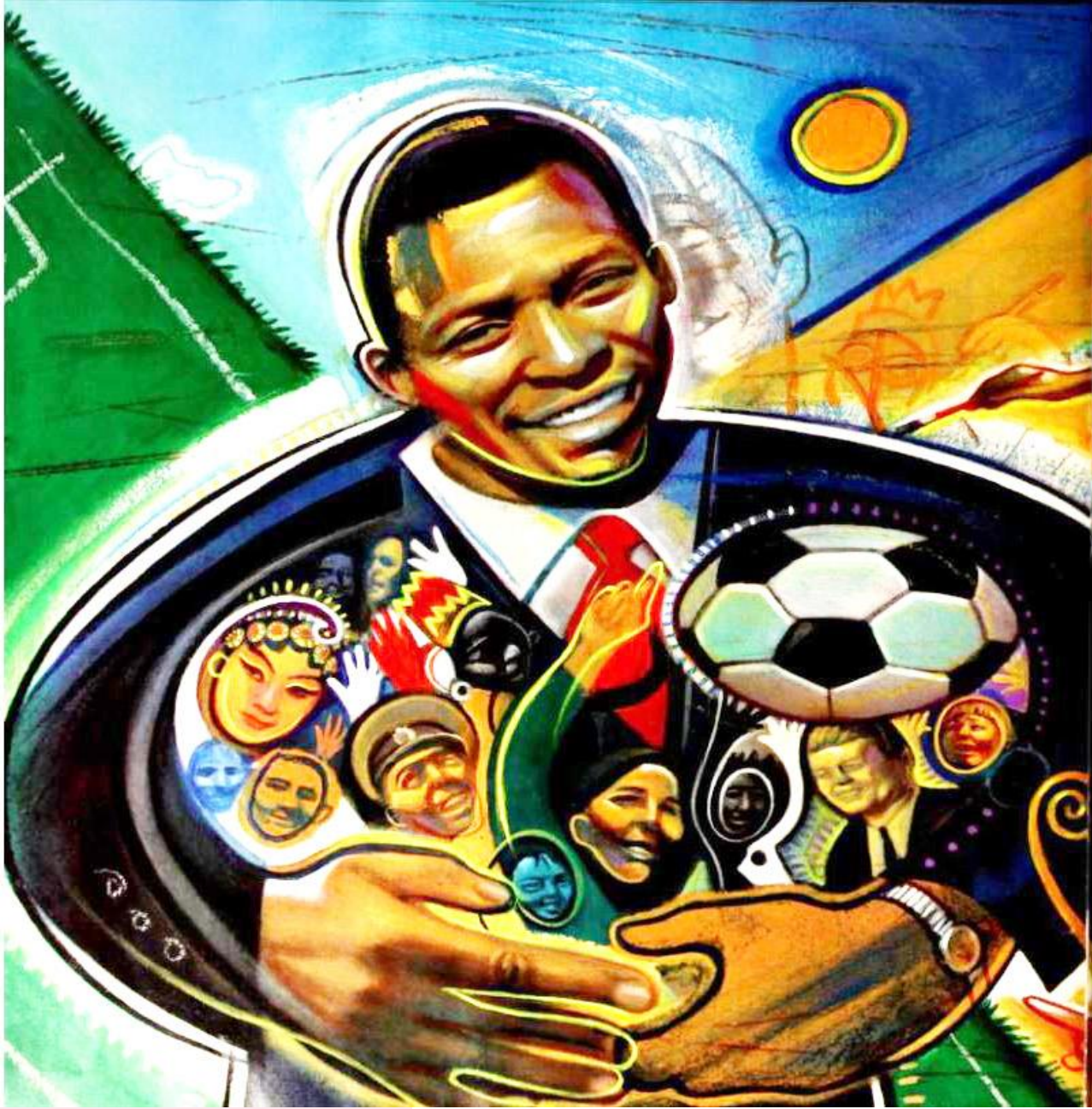
पेले के ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम के लिए दो और विश्व
कप जीते. पेले ने फ़ुटबॉल खेलते हुए पूरी दुनिया का
भ्रमण किया और वे जहाँ भी गए वहां लोगों ने उनकी
प्रशंसा की. उन्होंने राजाओं, रानियों और राष्ट्रपतियों से
मुलाकात की और हर जगह बच्चों और वयस्कों के
बीच फुटबॉल का प्यार फैलाया.

लेकिन एक और बात थी जो पेले करना चाहते थे. किसी भी फ़ुटबॉल खिलाड़ी ने कभी भी 1000 गोल नहीं दागे थे. पेले ने 999 गोल बनाए थे. नवंबर में बारिश का दिन था, और 80,000 प्रशंसक पेले का खेल देखने आए थे

पेले गोल लाइन की ओर ड्रिबिल करते हुए गए और तभी ... प्रतिद्वंद्वी ने उन्हें ट्रिप किया!

पेनाल्टी किक!

पेले ने गेंद को देखा.

पेले ने अपने प्रशंसकों को देखा.

पेले ने गोलकीपर को देखा.

क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि फिर क्या हुआ?
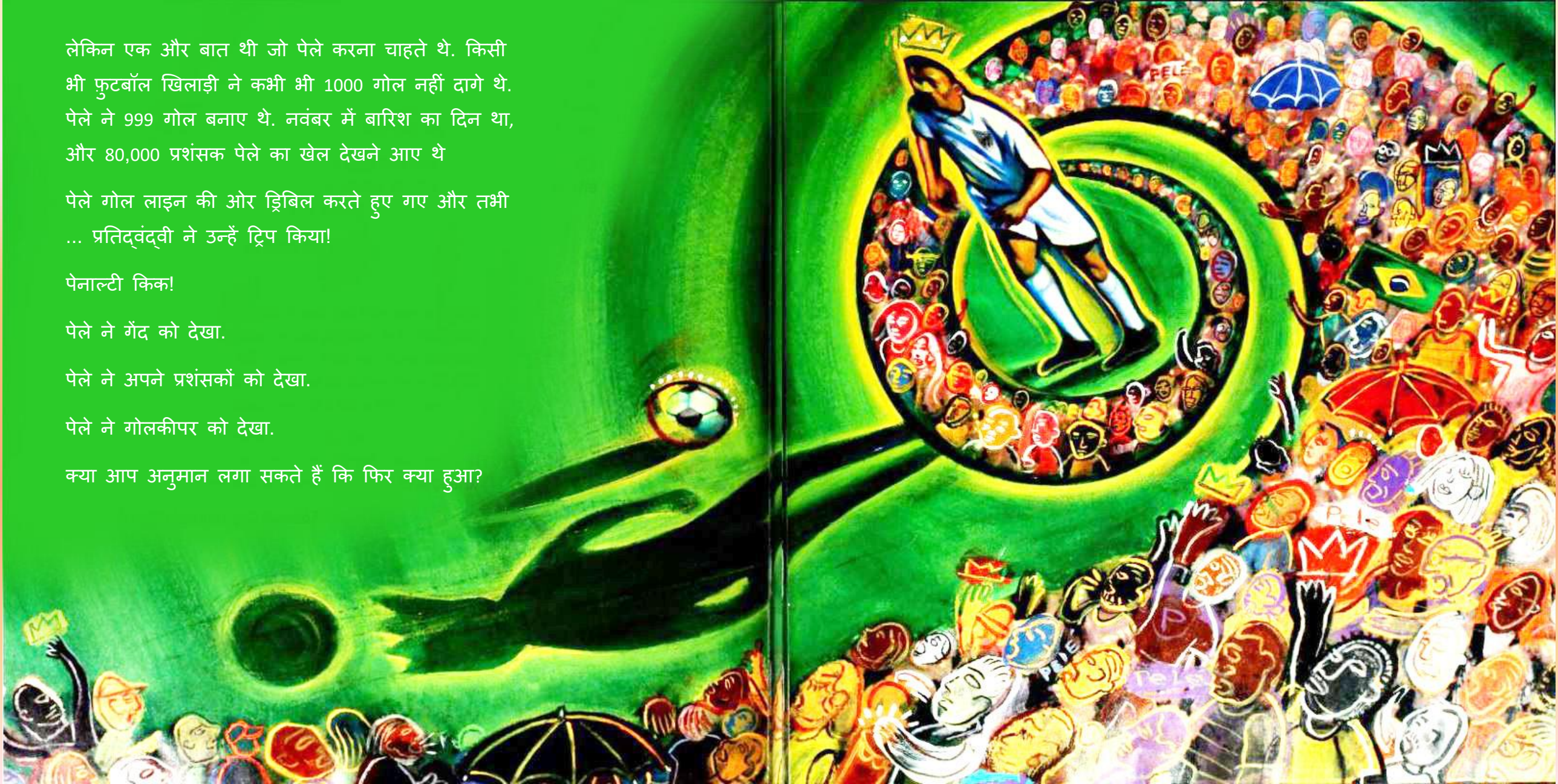
पेले ने किक मारी और अपना
हजारवां गोल बनाया...

लेखक का नोट

पेले, फ़ुटबॉल के किंग हैं और फुटबॉल को वे एक 'सुंदर खेल' कहते हैं. वो फ़ुटबॉल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं. पेले, जिनका पूरा नाम एडसन अरांटिस डो नैसिमेंटो है, का जन्म 25 अक्टूबर 1940 को ट्रेस कोराकोज़, ब्राज़ील में हुआ था. अपने करियर के दौरान, उन्होंने 1,281 गोल किए और 1958, 1962 और 1970 में ब्राजील के लिए तीन विश्व कप जीते. आज भी ब्राजील के नाम सबसे अधिक विश्व कप जीतने का रिकॉर्ड है. पेले ने 1975 से 1977 तक न्यूयॉर्क कॉसमॉस के लिए अमेरिका में भी खेला. पेले ने सॉकर के प्रति प्रेम—जिसे फ़ुटबॉल के नाम से भी जाना जाता है, पूरी दुनिया में फैलाया.

अपनी सफलता के बावजूद, पेले यह कभी नहीं भूले कि जब वो एक छोटे लड़के थे तो वो ट्रेस कोराकोस की गलियों में खाली पेट और अखबार की गेंद से फुटबॉल खेलते थे. जब पेले 1977 में सेवानिवृत्त हुए, तो वो फुटबॉल के स्पोर्ट के लिए एक राजदूत बन गए. उनका मानना था कि कोई बच्चा चाहे कितना भी गरीब या छोटा क्यों न हो, वो अपने सपनों को साकार कर सकता था. उन्होंने कई बच्चों को फ़ुटबॉल खेलना सिखाया. आज दुनिया भर के बच्चे जब फुटबॉल को लेकर मैदान में दौड़ते हैं तो वे मानते हैं कि वे खुद महान पेले हैं क्योंकि वे अपने सपनों को जीने के लिए फुटबॉल मैदान पर दौड़ते, लात मारते और नृत्य करते हैं, जैसे पेले ने किया था.